

Ом Шри Саи Рам

चमकम्

РУДРАМ. ЧАМАКАМ

Анувака 10

गर्भौश्च मे वृत्त्साश्च मे ऋविश्च मे ऋवीच मे दित्यवाट् च मे दित्यौहि च मे
पञ्चाविश्च मे पञ्चावि च मे त्रिवृत्सश्च मे त्रिवृत्सा च मे तुर्यवाट् च मे
तुर्यौहि च मे पष्ठवाट् च मे पष्ठौहि च मे उक्षा च मे वृशा च म ऋषभश्च
मे वेहच्च मेन्डवाञ्च मे धेनुश्च म ॥ १७ ॥

 гарбхांश्चा मे वृत्सांश्चा मे त्रायींश्चा मे त्रायै चा मे दित्यावाट चा मे
दित्यायुहि चा मे पञ्चाविश्चा मे पञ्चावै चा मे त्रिवृत्सांश्चा मे त्रिवृत्सा चा मे
तुर्यावाट चा मे तुर्यायुहि चा मे पाश्त्खावाट चा मे पाश्त्खायुहि चा मा उक्षा चा मे
वांशा चा मा रिषाब्धांश्चा मे वेहाच्चा मे नद्वान्चा मे द्धेनुष्ठांश्चा मा ॥ १७ ॥

Да обрету я силой совершенного жертвенного обряда ещё не рождённых телят, рождённых телят, телят возрастом до года, полуторагодовалых бычков, полуторагодовалых тёлочек, двухлетних бычков, двухлетних тёлочек, бычков возрастом в 2,5 года, тёлочек возрастом в 2,5 года, трёхлетних бычков, трёхлетних тёлочек, бычков возрастом 3,5 года, тёлочек возрастом 3,5 года, четырёхлетних бычков, четырёхлетних тёлочек, племенных быков, бесплодных коров, полностью выросших быков, коров, у которых был выкидыши, тягловых быков и молочных коров.

गर्भौश्च मे वृत्साश्च मे ऋविश्च मे ऋवीच मे

 гарбхांश्चा मे वृत्सांश्चा मे त्रायींश्चा मे त्रायै चा मे

दित्यवाट् च मे दित्यौहि च मे पञ्चाविश्च मे पञ्चावि च मे

 दित्यावाट चा मे दित्यायुहि चा मे पञ्चाविश्चा मे पञ्चावै चा मे

त्रिवृत्सरचं मे त्रिवृत्सा चं मे तुर्यवाट् चं मे तुयौहि चं मे

 त्रिवृत्सरचं मे त्रिवृत्सा चं मे तुर्यवाट् चं मे तुयौहि चं मे

पष्ठवाट् चं मे पष्ठौही चं मे उक्षा चं मे

 पष्ठवाट् चं मे पष्ठौही चं मे उक्षा चं मे

वशा चं म ऋषभश्चं मे

 वशा चं मे ऋषभश्चं मे

वेहच्च मेनद्वाञ्चं मे धेनुश्चं मे

 वेहच्च मे नद्वाञ्चं मे धेनुश्चं मे

आयुर्यज्ञेन कल्पतं प्राणो यज्ञेन कल्पतामपानो यज्ञेन कल्पतं व्यानो यज्ञेन कल्पतं
चक्षुर्यज्ञेन कल्पतागं श्रोत्रं यज्ञेन कल्पतं मनो यज्ञेन कल्पतं वाग्यज्ञेन कल्पतामात्मा
यज्ञेन कल्पतं यज्ञो यज्ञेन कल्पताम्॥ १८॥

 अंग्रेज़नां कल्पताम् प्राणो यज्ञेनां कल्पताम् अपानो यज्ञेनां कल्पताम् व्यानो
यज्ञेनां कल्पताम् चक्षुर्यज्ञेनां कल्पताम् श्रोत्रं यज्ञेनां कल्पताम् वाग्यज्ञेनां कल्पताम्
मनो यज्ञेनां कल्पताम् वाग्यज्ञेनां कल्पताम् अत्मा यज्ञेनां कल्पताम् यज्ञो
यज्ञेनां कल्पताम्॥ १८॥

Да буду я жить долго. Да будут моё восходящее, исходящее и
уравновешивающее дыхание, а также глаза, уши, ум, речь и тело правильно
функционировать в результате совершённого жертвоприношения. Да буду
я совершать всё больше жертвоприношений.

आयुर्यज्ञेन कल्पतं प्राणो यज्ञेन कल्पतामपानो यज्ञेन कल्पतं

 अंग्रेज़नां कल्पताम् प्राणो यज्ञेनां कल्पताम्
अपानो यज्ञेनां कल्पताम्

व्यानो यज्ञेन कल्पतं चक्षुर्यज्ञेन कल्पताग् श्रोत्रं यज्ञेन कल्पतं



व्यानो यज्ञेन कल्पतम् चक्षुर्यज्ञेन कल्पताग् श्रोत्रं यज्ञेन कल्पतं
श्रोत्राम् यज्ञेन कल्पतम्

मनो यज्ञेन कल्पतं वाग्यज्ञेन कल्पतामात्मा यज्ञेन कल्पतं यज्ञो यज्ञेन
कल्पताम्



मनो यज्ञेन कल्पतम् वाग्यज्ञेन कल्पतम् आत्मा
यज्ञेन कल्पतम् यज्ञो यज्ञेन कल्पतम्